5. आज के करीब डेढ़ हजार साल से पहले चीन में बारूद का आविष्कार हुआ। फिर ईसा की ग्यारहवीं सदी में च राकेट भी बनाए। लगभग उसी समय भारत को भी बारूद की जानकारी मिली। भारत को यह जानकारी या कीमियागरों से मिली या भारतीय बन्दरगाहों में पहुँचनेवाले चीनी व्यापारियों के जरिये। आज भी आतिशबाजी क का सबसे ज्यादा उत्पादन दक्षिण भारत में ही होता है। राकेटों का भी ज्यादा इस्तेमाल दक्षिण भारत के युद्धों मे है। राकेटों के लिए लोहे के खोलों का इस्तेमाल संभवतः भारत की ही खोज है।

(i) बारूद का आविष्कार निम्नलिखित में से किस देश ने किया था?

(क) भारत (ख) चीन

(ग) रूस (घ) जापान।

(ii) भारत को बारूद की जानकारी कब मिली?

(क) दसवीं शताब्दी में (ख) तेरहवीं शताब्दी में

(ग) बारहवीं शताब्दी में (घ) ग्यारहवीं शताब्दी में।

(iii) भारतीयों को बारूद की जानकारी कैसे मिली?

(क) चीनी मजदूरों से (ख) चीनी व्यापारियों से

(ग) चीनी वैज्ञानिकों से (घ) 'क' और 'ख' दोनों।

(iv) भारत में आतिशबाजी के पटाखों का सर्वाधिक प्रयोग कहाँ होता है?

(क) पूर्वोत्तर भारत में (ख) दक्षिणी भारत में

(ग) उत्तरी भारत में (घ) पूर्वी भारत में।

(v) राकेट के लिए लोहे के खोलों की खोज की संभावना किस देश के लिए प्रकट की जाती है?

(क) भारत (ख) चीन

(ग) रूस (घ) मलेशिया।

THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

2. कभी-कभी अचानक ही विधाता हमें ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसे देख स्वयं अपने जीवन की रिक्तता ब छोटी लगने लगती है। हमें तब लगता है कि भले ही उस अन्तर्यामी ने हमें जीवन में कभी अकस्मात अकारण ही दी कर दिया हो किंतु हमारे किसी अंग को हमसे विच्छिन्न कर हमें उससे वंचित तो नहीं किया। फिर भी हममें से कौन ऐ मानव है जो अपनी विपत्ति के कठिन क्षणों में विधाता को दोषी नहीं ठहराता। मैंने अभी पिछले ही महीने, एक ऐसी अभिश काया देखी है, जिसे विधाता ने कठोरतम दंड दिया है, किन्तु उसे वह नतमस्तक आनंदी मुद्रा में झेल रही है, विधाता कोसकर नहीं।

(i) हमें अपने जीवन की रिक्तता कब छोटी लगने लगती है?

(क) दूसरे की छोटी रिक्तता देखकर (ख) दूसरों की बड़ी रिक्तता देखकर

(ग) अपनी किस्मत को सोचकर (घ) ईश्वर को याद करके।

(ii) मनुष्य अपने जीवन में अकस्मात अकारण दंडित होने का दोष किसे देता है?

(क) दूसरे मनुष्य को (ख) माता-पिता को

(ग) ईश्वर को (घ) इनमें से कोई नहीं।

(iii) लेखक ने पिछले महीने जो काया देखी थी उसे अभिशप्त क्यों कहा?

(क) उसकी सुंदरता देखकर (ख) अनजाने में शाप से ग्रस्त होने के कारण

(ग) वरदान पाने के कारण (घ) शारीरिक विकलांगता के कारण।

(iv) वह उस दंड को कैसे झेल रही थी?

(क) खुशी-खुशी (ख) दुखी होकर

(ग) ईश्वर को दोष देकर (घ) निष्प्राण मांसपिंड बनकर।

(v) 'अभिशप्त काया देखी'–में रेखांकित अंश है–

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण (घ) क्रिया विशेषण।